तर्जः साथी हाथ बढाना.....

दुनिया स्वर्ग बनाये -2
मानवता और प्यार अमन के, परचम को लहराये
सत्गुरु का आदेश है -4

बाबा बूटा सिंह जी ने जो, सच था अलख जगाया।
शहनशाह अवतार ने हमको, रस्ता खूब दिखाया।
देकर प्राणों की आहुति मिशन को है चमकाया ॥१॥
दुनिया स्वर्ग बनाये -2

सत्य के पथ पर कितने सन्तो ने दी है कुर्बानी।
किसी ने जीवन वार दिया कई वार गये है जवानी।
भूले से भी ना भूलेंगे, सन्त बडे बलिदानी।
तन , मन, धन न्यौछावर करके, जिन्दा है वो दानी ॥२॥
दुनिया स्वर्ग बनाये -2

बलिदानी सन्तों के सपनों को साक्वर करेंगे।
Blood donation करके हर इक हृदय में उतरेंगे।
नफरत की दिवार गिराकर, प्यार के पुल बनाये।
गुरु हरदेव के वचनों पे आओ, मिलकर फूल चढाये ॥३॥
दुनिया स्वर्ग बनाये -2

मानव बनकर मानवता का पाठ पढाते जाये।
सारे इन्सां अपने है, यहाँ कोई नहीं है बेगाना।
"शौक" हमेशा सारे गायें, प्यार का एक तराना ॥४॥
दुनिया स्वर्ग बनाये -2